

पाठ योजना संख्या- १ $\Rightarrow$ (१-७)

पाठ योजना सं- २ $\Rightarrow$ (८- १५)

पाठ योजना - ३ (१६ - २२)

पाठ योजना संख्या - ४ (२३- ३०)

पाठ योजना सं० = ५ (३१- ३७)

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No.

पाठ योजना संख्या - 1

विद्यालय का नाम :- श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज
ऑफ साइन्स एंड मैनेजमेंट
सिसंवा रामपुरसकरवरी अकेवर पुर जम्बेडकर नगर

द्वारा अध्यापक का नाम :- प्रखर तिवारी

Date	विषय	कक्षा	समय	कॉलोम
13-01-2020	सां. वि.	4	कई	1

प्रकरण - पर्यावरण

सा. उद्देश्य :- (i) छात्रों में भूगोल के प्रति रुचि

(ii) छात्रों को भूगोल के प्रति अवगत करना है।

(iii) छात्रों को भूगोल विषय की विषय - वस्तु व क्षेत्र के बारे में जानकारी देना।

(iv) छात्रों को पर्यावरण तथा उसके घटकों के बारे में जानकारी देना।

(v) छात्रों को भूगोल के अध्ययन से भौतिक संसार से परिचित करना।

Teacher's Signature :

विशिष्ट उद्देश्य →

- (1) ज्ञानात्मक उद्देश्य - दान पर्यावरण का ज्ञान कर उसका प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
- (2) अवलोधात्मक उद्देश्य - दान पर्यावरण का बोध कर उसकी व्याख्या कर सकेंगे।
- (3) कौशलात्मक उद्देश्य - दान वर्गिकरण कर चर्चा प्रस्तुत कर सकेंगे।
- (4) अभिरुचिात्मक उद्देश्य - दान पर्यावरण के अध्ययन में रुचि ले सकेंगे।

सहायक सामग्री - चर्चा, लपेट श्यामपट्ट, चोंक, इस्तर, कक्षा पर्यायी समस्त सामग्री।

पूर्वज्ञान - दान वायुमण्डल के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना :-

क्र.सं.	द्वानाध्यापक क्रिया	द्वान क्रिया
1.	प्रकृति में क्या है जिससे हमें सहायता से हम सांस लेते हैं।	वायु
2.	वायु कहां पायी जाती है।	वायु-सुमरल वायुमंडल में पायी जाती है।
3.	वायुमंडल किसका अंग है।	पर्यावरण
4.	पर्यावरण किसे कहते हैं।	समस्यात्मक
<u>उद्देश्य कथन :-</u>		पर्यावरण के
हम आपको विषय में अध्ययन		करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	द्वानाध्यापक क्रिया	द्वान क्रिया	मूल्यांकन प्रश्न
पर्यावरण का अर्थ	विकासत्मक प्रश्न		
	प्रश्न-Environment का हिन्दी रूपान्तरण	पर्यावरण	पर्यावरण किसे कहते हैं।

Teacher's Signature :

पर्यावरण के आंग

- ① वायुमंडल
- ② स्थलमंडल
- ③ जलमंडल
- ④ जैवमंडल

प्रश्न-2 पर्यावरण
किस कहते हैं?

समस्यात्मक

ज्ञानाध्यापक कथन:

ज्ञान, ध्यानपूर्वक
सुनना।

पर्यावरण का आश्रय
रूप सुनवारमूल
दो शब्दों से मिल
कर बना है जि
-सका अर्थ है: १.
द्वारा विशास से
घरना
पर्यावरण दो प्रकार
के होते हैं।

- (i) भौतिक पर्यावरण
- (ii) सांस्कृतिक पर्यावरण

वाद्यात्मक प्रश्न

पर्यावरण से क्या
तात्पर्य है।

पर्यावरण के कानून
से दो प्रकार हैं।

जो पुरुष हमें निकट
से घूर रहे पर्यावरण
कहलाते हैं।

भौतिक पर्यावरण
सांस्कृतिक पर्यावरण

पर्यावरण के आंग

विकासात्मक प्रश्न

प्रश्न-1 सांस्कृतिक पर्यावरण कोन सा प्रकार है।

यह पर्यावरण का दूसरा प्रकार है।

पर्यावरण के भाग कोन-2 से है।

प्रश्न-2 इसकी परिभाषा क्या है।

समस्यात्मक

क्षेत्राध्ययन कहते हैं-

क्षेत्राध्ययन पूर्वक सुनाया।

सांस्कृतिक पर्यावरण-

मनुष्य भौतिक पर्यावरण में उपलब्ध संसाधनों को तकनीकी से बदलाव लाता है।

अर्थात्- भौतिक पर्यावरण को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए जो प्रयत्न मनुष्य स्वतः जागरूक रूप से करता है।

सुराग खोज निकाल कर सुराग बनाना।

आंग-

(1) वायुमंडल

(2) स्थलमंडल

(3) जलमंडल

(4) जैवमंडल

बोधात्मक प्रश्न:-

प्रश्न-1. मनुष्य सेती मनुष्य को कैसे करता है। सेती करता है।

प्रश्न-2. पर्यावरण के पर्यावरण के किन्ने आंग है। पर्यावरण के आंग होते हैं।

पुनरावृत्ति प्रश्न:-

प्रश्न-1. पर्यावरण के प्रकार होते हैं।

प्रश्न-2. पर्यावरण का स्थल मंडल आंग है।

प्रश्न-3. वायुमंडल में वायु नहीं होती है।

प्रश्न-4. मानव पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।

प्रश्नकार्य :-

प्रश्न - पर्यावरण किसे कहते हैं ? वर्णन करो ?

पर्यावरणक हस्तामर

सुझाव :-

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

पाठ योजना - 2

विद्यालय का नाम :- श्री मती स्वामी देवी डिग्री कॉलेज
ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट
सिसवा रामपुर सकरवारा जकवरपुर जम्बडकरनगर

ध्यातृपापक का नाम :- प्रवीर विवारी

दिनांक	विषय	पक्ष	समय	कैलशि
14-11-2020	भूगोल	6	32	2

प्रकरण :- पृथ्वी व सूर्यमण्डल

सामान्य उद्देश्य :-

- (1) छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रुचि का विकास करना।
- (2) छात्रों को भौगोलिक तथ्यों का ज्ञान कराना।
- (3) छात्रों में चिन्तन व तर्क-शक्ति का विकास करना।
- (4) छात्रों को भौगोलिक परि० तथा मानव पर उनके प्रभाव का ज्ञान कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

- (1) सोनात्मक उद्देश्य - दान पृथ्वी व चन्द्रमा का प्रत्यारम्भण कर सका।
- (2) अवबोधोद्यात्मक उद्देश्य - दान पृथ्वी व चन्द्रमा की व्याख्या कर सका।
- (3) अभिवृत्त्यात्मक उद्देश्य - दोनों में पृथ्वी व चन्द्रमा के बारे में शिवासा उत्पन्न करना।
- (4) कौशलत्मक उद्देश्य - चर्चा द्वारा कौशल का विकास करना।

सहायक सामग्री :- लूपेडू, रयामपट्ट, चॉक, इस्टर, चार्ट, मकल आदि।

पर्विज्ञान :- दान पृथ्वी व चन्द्रमा के बारे में सामान्य जानकारी दे सकते हैं।

प्रस्तावना :-

क्रमिक

दत्ताध्यापक क्रिया

दान क्रिया

- | | | |
|----|--|--|
| 1. | प्रश्न: 1 सूर्य व उसकी परिक्रमा करने वाले ग्रहों को क्या कहते हैं? | सौर परिवार कहते हैं। |
| 2. | प्रश्न: 2 सौर परिवार में कितने ग्रह हैं। | सौर परिवार में 9 ग्रह हैं। |
| 3. | प्रश्न: 3 सौर ग्रहों के नाम बताओ। | बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण, वरुण, यम हैं। |
| 4. | प्रश्न: 4 पृथ्वी व चन्द्रमा के बारे में बताइए। | सामस्यात्मक |

उद्देश्यकथन :- आज हम पृथ्वी व चन्द्रमा के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तावना :-

क्र.सं.	अपेक्षित व्यवहार	विषय	सामग्री/साधन	विधि	नियंत्रण	मूल्यांकन
1. पृथ्वी	पृथ्वी के चारों ओर घूमने वाला एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह है।	पृथ्वी के बारे में विचार	पृथ्वी के बारे में विचार	पृथ्वी के बारे में विचार	पृथ्वी के बारे में विचार	पृथ्वी के बारे में विचार

Teacher's Signature :

नौ ग्रह के नाम

- ① बुध
- ② शुक्र
- ③ शनि
- ④ मंगल
- ⑤ वृद्धस्पति
- ⑥ पृथ्वी
- ⑦ सारण
- ⑧ करुण
- ⑨ यम

प्रश्न-1 पृथ्वी का
आकार कैसा है।

गोला

प्रश्न-1

प्रश्न-2 पृथ्वी किसकी
पारिष्कार करती है।

सूर्य की।

किस
कारण
पृथ्वी को
अनाखा
महकहा
है।

धनाध्यापक कथन :-

धनाध्यापक पूर्वक
मुनिगा।

सूर्य से दूरी के
बीच सूर्य पृथ्वी
दूर है स्थान पर
है। पृथ्वी का
अंतराल सुखापमान
मध्यम है। इस
कारण पृथ्वी को
अनाखा महकहा
है। यह सुवन का
अंतराल है। अनाखा
संदरभन पर पृथ्वी
गोला दिखाई देता
है। इसलिये गोला
महकहा है।

प्रश्नोत्तर
प्रवीण

बोधायक प्रश्न

प्रश्न-1 सूर्य से
दूरी के
अनुसार सौर
मण्डल को पूर्वा
का क्रम सा
स्थान है।

प्रश्न-2 पृथ्वी
का सतह पर
जल और वायु
अपराध में
समय है।

2.
चन्द्रमा धातु चन्द्रा प्रज्ञातर विकासमिक
को समझा प्रावाद्य प्रश्न -
सिका।

प्रश्न-1 पृथ्वी पर पृथ्वी के प्रश्न:
का क्या अर्थ है पृथ्वी चन्द्रमा
है। जैसा भावित परस्पर
शमकदम

प्रश्न-2 चन्द्रमा चन्द्रमा अपने प्रश्न:
किस प्रकार भूत प्रमद हय किसने
पृथ्वी को पृथ्वी परस्पर रखा?
पारकमा करता है करता है।

व्याख्या-
प्रापच

चन्द्रमा पृथ्वी
का इक्वेटोर
उपग्रह है।
पृथ्वी से
चन्द्रमा की
दूरी 3,84,000
किलो मी है।
चन्द्रमा हमारे
प्रकार का प्रकाश
हम से ठीक
पहचानता है।
यह हमारा सबसे
निकट पड़ा सौह
यह आपस में
बोरे पृथ्वी का
प्रादुर्भाव करता
है। नीचे
आमामुद्राम
व सुझावन सुद्धि
न सर्वप्रथम पर
रखा।

प्रतिष्ठित
प्राक्वाध

वायुमंडल में गैसें

- ① नाइट्रोजन - 78%
- ② ऑक्सीजन - 21%
- ③ ४ गैसें = 1%

जैसे - हाइड्रोजन, ओजोन
कार्बन आदि

SMT. S
Degree College

DEVI
ment

बौद्धात्मक प्रश्न

प्रश्न-1 चन्द्रमा
किस्का इन्जेल
पृथ्वीतक उपग्रह
है

पृथ्वी का

प्रश्न-2 पृथ्वीसि.
चन्द्रमा की
दूरा किन्ना है

3,84,000 K.m

प्रश्न-3

चन्द्रमा पृथ्वी
का एक पारम्परिक
किन्ना समय
मे पुरा करता है

27 दिन 8 घण्टे

पुनरावृत्ति प्रश्न ⇒

- (1) पृथ्वी अनोखी ग्रह है (सत्य / असत्य)
- (2) चन्द्रमा अपने परबूमगर्ही (अक्ष / स्थान)
- (3) चन्द्रमा का वर्णन करो ?

गृहकार्य :- पृथ्वी का वर्णन याद करके आना है

पर्यवेक्षणक दस्तावेज़

सुझाव

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

पाठ योजना - 3

विद्यालय का नाम :- श्रीमूर्ति सुशामा देवी डिग्री कॉलेज
ऑफ़ नर्सिंग एण्ड मैनेजमेन्ट सिसवा रामपुर
सेकरवारा अकेवरपुर सम्बेडकर नगर

दत्ताध्यापक का नाम :- प्रखर तिवारी

दिनांक	कक्षा	विषय	समय	कौशल
16-01-2020	6	बाल	55	2

प्रकरण - वर्णनसामान्य उद्देश्य :-

- (i) छात्रों में भौतिक के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
- (ii) छात्रों को भौगोलिक तथ्यों का ज्ञान करना।
- (iii) छात्रों में चिन्तन शक्ति बढ़ाना।
- (iv) छात्रों को भौ. परि. तथा मानव पर उसके प्रभाव को अवगत कराना।

Teacher's Signature :

पिरिष्ट लेख्य :-

सोनात्मक - दान वर्णन का प्रयासरण कर सके।
 भद्रवाद्यात्मक - दान पुराण को वर्णन का व्याख्या कर सके।
 सामरूप्यात्मक - वर्णन के बारे में राय व्यक्त कर सके।
 कोशलात्मक - दान में वर्णन के चोटों द्वारा प्रदर्शित करने का कोशक उत्पन्न करना।

पूर्वज्ञान :- दान वर्णन के बारे में सामान्य जानकारी रखता हो।

प्रस्तावना :-

क्रमांक	द्वारा व्यापक क्रिया	दान क्रिया
1.	प्रश्न-1 कुम्हार क्या बनाता है?	कुम्हार मिट्टी के घूर्तन से स्थल बनाता है।
2.	प्रश्न-2 मिट्टी के घूर्तन किसकी सहायता से बनाय जाते हैं?	मिट्टी के घूर्तन चक्र के सहायता से
3.	प्रश्न-3 घूर्तन के घूर्तन की प्रक्रिया को कहते हैं।	घूर्णन गति

① पृथ्वी सूर्य से प्रकाश ग्रहण करती है।

② एक समय में सूर्य का एक भाग सूर्य का सेमिना करता है।

③ धूमिल के कारण कि-रात होत है।

उद्देश्य कथन:- आज हम धूम्रपान के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

शिक्षण बिन्दु	अपेक्षित व्यवहार	विधि/प्राप्य	छात्राध्यापक कथन	छात्र प्रतिक्रिया	मूल्यांकन
1. पृथ्वी की स्थिति	छात्र पृथ्वी की स्थिति समझ सकेंगे।	प्रश्नोत्तर प्रविधि	विकासोत्तम प्रश्न 1. सौर परिवार में पृथ्वी कोन से स्थान पर है?	तीसरे स्थान पर	पृथ्वी सूर्य के चारों ओर किस पथ पर घूमता है?
			2. पृथ्वी जिस तल पर घूमती है उसे क्या कहते हैं?	परिक्रमण	
			छात्राध्यापक कथन पृथ्वी की गति दो प्रकार की होती है। धूम्रपान तथा परिक्रमण। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।	छात्र धूम्रपान पूर्वक सुनेंगे।	

पूर धूमती है
जिस हम उसकी
कहा कहते हैं
इसके अक्ष को
एक काल्पनिक
रेखा माना जाता
है। पृथ्वी सूर्य
को परिक्रमा
करते समय एक
मंडल में घूम रही है।

प्रश्न: 2

किस
कारण
सूर्य
प्रकाश
में आता
है। पृथ्वी
प्रकाश में
अस्त
होता है।

प्रश्नोत्तर बोधायन प्रश्न
प्रवाह

1. पृथ्वी की दो
मुख्य दो गोलाई
हैं।

पृथ्वी की दो
मुख्य गोलाई
दृष्टि और
परिक्रमण

2. अक्ष पृथ्वी की
लंब रेखा से
कितने कोण का
कोण बनाता है।

अक्ष पृथ्वी की
लंब रेखा से
23.5° का
कोण
बनाता है।

① पृथ्वी की घूर्णन व परिभ्रमण
दो गोलियाँ हैं।

② पृथ्वी के काल्पनिक अक्ष
को काल्पनिक रेखा कहा
जाता है।

③ अक्ष पृथ्वी की लम्ब रेखा
से $23\frac{1}{2}^{\circ}$ का कोण बनाती है।

2. धूर्ण	धूर्ण धूर्ण समझ सकोग	प्रश्नोत्तर प्राविधि	विकासत्मक प्रश्न	पृथ्वी जिस स्थान पर घूमती है उसको अक्ष कहते हैं
			2. धूर्ण के कारण क्या हैं	समस्यात्मक
		कारणों प्राविधि	कारणों कथन	कारणों सुनाएँ
			पृथ्वी द्वारा एक दिन में अपनी क्षितिज पर अक्ष घूमने को धूर्ण कहते हैं धूर्ण को गति परिपथ से घूर्ण भार होता है यस कारण है सूर्य एवं चंद्रमा में आता है	

और पश्चिम
दिशा में
अस्त होता है।

प्रश्नोत्तर बोधात्मक
प्राप्य प्रश्न

प्र०-1 धूर्णन
गति किसे कहते
हैं।

पृथ्वी द्वारा
स्वयं में
अपनी कक्षीय
अक्ष पर घूमने
की गति को
धूर्णन गति कहते
हैं।

प्र०-2 धूर्णन गति
किस दिशा में
होती है।

पृथ्वी की धूर्णन
गति हमेशा
पश्चिम से पूर्व
की ओर होती
है।

पुनरावृत्ति प्रश्न → प्रश्न: पृथ्वी के घूर्णन के कारण दिन और रात बनते हैं।

(2) पृथ्वी जिस पथ पर सूर्य के चारों ओर घूमती है उसे कक्षा कहते हैं।

(3) आगे सूरज के देश को कहते हैं (जापान/केरिया)

गृहकार्य: घूर्णन को पढ़कर आयोग।

पर्यवेक्षक इस्तामर

सुझाव:

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

पाठ योजना सं. - 4

विद्यालय का नाम :- श्री मतीं, श्यामा देवी डिग्री
मैनेजमेन्ट सिसेवा कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड
सिसेवा रामपुर सकरवारी अकबरपुर
भगवदपुर नगर

कक्षा का नाम :- प्रथम विभागीय

दिनांक	कक्षा	विषय	समय	मंला
17-01-2020	5	भूगोल	35	5

प्रकरण - परिक्रमण

सामान्य उद्देश्य :- छात्रों में भौगोलिक तथ्यों का ज्ञान

(2) छात्र में तर्कशक्ति तथा चिन्तन को विकसित करना।

(3) छात्रों में भूगोल के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

(4) छात्रों को भौगोलिक परिणत तथा तथ्यों को परिचय
कराकर कार्य - कारण सम्बन्ध
स्थापित करना।

विशिष्ट उद्देश्य

- (1) शान्तात्मक उद्देश्य $\Rightarrow$ दान परिक्रमण का प्रत्यास्मरण कर सका।
- (2) अवबोधोदात्मक उद्देश्य $\Rightarrow$ दान पृथ्वी के परिक्रमण की व्याख्या कर सका।
- (3) कौशलात्मक उद्देश्य $\Rightarrow$ दान में परिक्रमण को चाट द्वारा प्रदर्शित करने का कौशल उत्पन्न करना।

सहायक सामग्री $\Rightarrow$ लपेट ड्रेसिंग पट्ट, चाक, इस्टर सेक्रेट चार्ट

पूर्वज्ञान $\Rightarrow$ दान परिक्रमण के बारे में सामान्य जानकारी रखता है।

प्रस्तावना

क्रमिक	दानाध्यक्षक क्रिया	दान क्रिया
1.	देवी-देवताओं की मूर्ति कहां स्थापित किया जाता है।	देवी-देवताओं की मूर्ति मन्दिर में स्थापित की जाती है।

Teacher's Signature :

2.	प्रश्न:- मंदिर में हम क्या करते हैं।	मंदिर में हम पूजा करते हैं।
3.	प्रश्न:- पूजा करने के बाद हम क्या करते हैं।	पूजा करने के बाद हम मंदिर में परिक्रमा करते हैं।
4.	प्रश्न:- परिक्रमा से क्या समझते हैं।	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन:- बच्चों को आज हम आपका परिभ्रमण के बारे में अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुती करण:-

विद्यार्थी	अपेक्षित कार्य	विधि	क्षेत्राध्यक्ष प्रिया	क्षेत्र प्रिया	मुख्य कार्य
परिक्रमण	क्षेत्र परिक्रमण के समझा सकेंगे।	प्रश्नोत्तर प्रविधि	विकासवादी प्रश्न		प्रश्नोत्तर प्रविधि

Teacher's Signature :

प्रश्न-1 एक
अधिवृष्टि में कितने
दिन होते हैं। एक अधिवृष्टि में 366
दिन होते हैं।

प्रश्न-2 परिक्रमण
किस कहते हैं। प्रश्न-2 द्वारा
सूर्य की परिक्रमा
की गति को
परिक्रमण कहते
हैं।

क्षेत्राध्यापक कथन क्षात्र दधान पूर्तिक सुनें

पृथ्वी द्वारा
सूर्य की परिक्रमा
करने की गति
को परिक्रमण
गति कहते हैं।
पृथ्वी सूर्य की
परिक्रमा पर
765 दिन लया
करती है।

पृथ्वी द्वारा सूर्य का
परिक्रमण



365 दिन 6 घंटे में



चार वर्ष बाद



366 दिन

SMT. S
Degree College of

	प्रश्नोत्तर प्राविध्य	बोधात्मक प्रश्न			
		प्रश्न-1	पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा कितने दिनों में पूरा करती है	65 दिन 6 घंटे	
		प्रश्न-2	सूर्य सूर्य की परिक्रमा कितने दिनों में पूरा करता है	24 घंटे	
परिक्रमा के प्रकार	द्विपरिक्रमा के प्रकार का समझा सकोगे	प्रश्नोत्तर प्राविध्य	विकासात्मक प्रश्न	सूर्य की परिक्रमा कितने वर्ष में आता है	सूर्य की परिक्रमा कितने प्रकार की होती है।
			प्रश्न-3	सूर्य की परिक्रमा कितने वर्ष में आता है	सूर्य की परिक्रमा कितने प्रकार की होती है।
			प्रश्न-4	सूर्य की परिक्रमा कितने वर्ष में आता है	सूर्य की परिक्रमा कितने प्रकार की होती है।

Teacher's Signature :

व्याख्या
प्रावाच

दानाद्यापक
कथन

दानाद्यापनपूर्वक
सुनेगा

पृथ्वी के
सूय के चारों
ओर पुरुषमा
करने से
हो संतुष्ट
बनता है।

(i) मोक्षफल

(ii) शीतफल

(iii) वसतफल

मोक्ष में उच्च

तापमान होता है

शीतफल में

तापमान

निम्न होता

है।

(iv) वसतफल में

तापमान, जो

उच्च होता है

न, निम्न

होता है।

होता है।

होता है।

होता है।

ਗੇਰੁਲ
ਜੀਨਪ੍ਰਸਾਰਕੀ

1. ਖੀਵਸ ਗੇਰੁ
- ② ਰਹਿਟ ਗੇਰੁ
- ③ ਵੰਸਲੀ ਗੇਰੁ

SMT. SH
Degree College of

प्रश्नोत्तर

प्रविधि

बोधात्मक
प्रश्नप्रश्न-1। गुरुं
कौसी क्वती
है।पृथ्वी के सद्युक्त
परिक्रमा करने से
गुरु बनती है।प्रश्न-2। ग्रीष्म
ऋतु में
कौसी होता है।ग्रीष्म ऋतु में
वायुमान उच्च होता
है।प्रश्न-3। वसन्त
ऋतु में
कौसी होता है।वसन्त ऋतु में
वायुमान उच्च
न निम्न होता है।इनाप्राप्ति प्रश्न

- (i) पृथ्वी को एक घूर्णन करने में 24 घंटे लागते हैं।
(सत्य/असत्य)
- (ii) गुरुं के कारण बदलती है। (परिक्रमण /
घूर्णन)
- (iii) साधारण एक अधिवर्ष से पूर्ण होता है।
(परिक्रमण / घूर्णन)

प्रश्न: परिक्रमण का वर्णन करो।

गृहकार्य:- दत्त परिक्रमण को पढ़कर आयेगी।

पर्याप्तक हस्ताक्षर

सुझाव:-

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

पाठ योजना सं - 5

विद्यालय का नाम :- श्री मती श्यामा देवी डिग्री
मैट्रिक मैट्रि कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड
अम्बडकरनगर सिसवा रामपुर सकरवारी अकबरपुर

दत्ताध्यापक का नाम :- प्रखर तिवारी

दिनांक	कक्षा	समय	विषय	मौला
18-01-2020	5	दूध	भूगोल	6

प्रकरण - वायुमंडल

सामान्य उद्देश्य :- छात्रों में भूगोल के प्रति रुचि

- छात्रों को भूगोल के नियमों से अवगत करना।
- छात्रों को भूगोल के क्षेत्र से अवगत करना।
- छात्रों को भूगोलीय संरचना को जान प्राप्त कर सकें।

विशिष्ट उद्देश्य :- ज्ञानात्मक उद्देश्य = छात्र वायुमंडल के
अर्थ का ज्ञान प्राप्त कर सकें।

अभिव्यक्तिक :- छात्र वायुमंडल की परतों की अभिव्यक्ति कर सकें।

अभिरुच्यात्मक उद्देश्य ⇒ दान वायुमण्डल के अध्ययन में रुचि ले सकें।

सहायक सामग्री ⇒ लैपेटर्यामिट्ट, सैक्रेटक चट्टि

पूर्वज्ञान ⇒ दान वायुमण्डल के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना:-

क्र.सं.

घनाध्यापक क्रिया

दान क्रिया

प्रश्न: वे सभी कस्तुरी जो निम्न से घरे हैं यह परिभाषा किसकी है।

पर्यावरण

प्रश्न: पर्यावरण के कौन-से भाग हैं।

वायुमण्डल, स्थल, जलमण्डल, जलमण्डल

प्रश्न: वायुमण्डल के बारे में क्या जानते हैं।

समस्यात्मक

उद्देश्य कथन ⇒ आज हम वायुमण्डल के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण:-

SMT. SH
Degree College of S

DEVI
& Management

वाल्मीकि मंडल का पद
① होम मंडल
② सप्तम मंडल
③ होम सीमा
④ औषधी मंडल
⑤ अथिल मंडल
⑥ वार मंडल

विषय	अ. च. परि.	विधि प्रविधि	दत्ताध्यापक कार्य	छात्र कार्य	मूल्यांकन
1. वायुमण्डल का अध्ययन	छात्र वायुमण्डल का परिभाषित कर सकेंगे	प्रश्नोत्तर प्रविधि	विकासोन्मुख प्रश्न प्र०-1 वायुमण्डल में कौन-से गैसें पायी जाती हैं। प्र०-2 ये गैसें किस प्रकार की होती हैं?	प्र०-1 हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, CO_2 संख्यात्मक	प्र०-1 वायुमण्डल किस कहल है?
		व्याख्यान प्रविधि	दत्ताध्यापक कथन हमारी पृथ्वी के चारों ओर, नैसर्गिक, रासायनिक गैसों के आवरण को वायुमण्डल कहते हैं। वायुमण्डल वायु का मिश्रण है। वायुमण्डल में गैसों के साथ-साथ जलवाष्प और धूल कण पाये जाते हैं। वायुमण्डल में $N 78\%$ का, $O_2 21\%$ पाया जाता है।		

Teacher's Signature :

प्रश्नोत्तर
प्राविधि

बोधात्मक प्रश्न

प्र०-1 हमारे
पृथ्वी के चारों
ओर कैसा आवरण
है ?

रंगाहीन, गंधहीन
स्वादहीन गैसों
का आवरण है।

प्र०-2 वायुमंडल
में कितना
प्रतिशत ऑक्सी
जन है ?

21%

प्र०-3 वायुमंडल
में कितना
प्रतिशत नाइट्रोजन
जन है।

78%

3. वायुमंडल
को वायुमंडल प्रदूषण
विषय पर परत
परत कायम
सकता

विकासात्मक प्रश्न

प्र०-4 मौसमी बदलावों
वायुमंडल का
कौन सा परत
में होता है।

50. क्षोभमंडल

- वायुमंडल
- 1 वायुमंडल का विस्तार 3200 km है।
 - 2 क्षीममंडल - 12 km
 - 3 क्षीमसीमा - 1.5 km
 - 4 क्षीममंडल - 640 km से अधिक ऊंचाई

प्र०-२ वायुमंडल
की घन-२
सू परत होती
है

समस्यात्मक

वायुमंडल
का विभिन्न
परत का
नाम
लिखिए

स्थान
विधि

दाता दिया पत्र कथन

वायुमंडल का दाता दिया पूर्वक
विस्तार 3200
K.m से
आवक मना
गया है।

वायुमंडल की परत

लोममंडल = 2000
कि.मी. 12 K.m

लोमसीमा - मोल्डि
12 K.m

समताप मंडल

एक समान रूप
पाया जाता है।

२०
अजोनमंडल

२०
अजोन गैस की
प्रधानता है।

आयनमंडल

रेडियो तरंगों का
परावर्तन

ब्राह्ममंडल

640 से अधिक
ऊँचाई

प्रज्ञात्मक बोधात्मक प्रश्न
प्रावाध

बोधात्मक प्रश्न की
मौलिक कितनी

इसकी मौलिक
 $1\frac{1}{2}$ K.m है।

ब्राह्ममंडल की
ऊँचाई कितनी
है?

640 मी. से अधिक

पुनरावृत्ति :- प्र० = जीवमंडल में की

प्र० = 2 समताप मंडल में ताप रहता है।

प्र० = 3 वायुमंडल में N_2 होती है।

प्र० = 4 वायुमंडल में O_2 होती है।

सहायक :- वायुमंडल किससे कहते हैं। पृथ्वी का वर्णन करो।

परिप्रेक्षक हस्ताक्षर

सुझाव

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)

21/11/20